# पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

## जीवन परिचय - 10th

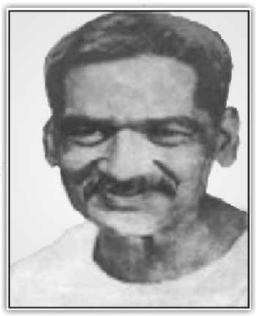

- जन्म - 27 मई, 1894 ई०
- जन्म स्थान- खैरागढ़ (जबलपुर)
- पिता - पुन्नालाल बख्शी
- मृत्यु - 27 दिसम्बर, 1971 ई०
- भाषा- खड़ीबोली
- सम्पादन- 'सरस्वती' एवं 'छाया' पत्रिका

### जीवन परिचय :-

पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का जन्म 27 मई, 1894 ई० में जबलपुर के खैरागढ़ नामक स्थान में हुआ था। इनके पिता पुन्नलाल बख्शी तथा बाबा उमराव बख्शी साहित्य प्रेमी और कवि थे। इनकी माता को भी साहित्य से प्रेम था।

परिवार के साहित्यिक वातावरण के प्रभाव के कारण ये विद्यार्थी जीवन से ही कविताएँ रचते थे। बी० ए० पास करते ही इन्होंने 'सरस्वती' में अपनी रचनाएँ प्रकाशित करना प्रारम्भ किया।

बाद में 'सरस्वती' के अतिरिक्त अन्य पत्रिकाओं में भी इनकी रचनाएँ प्रकाशित होने लगीं।

इनकी कविताएँ स्वच्छन्दतावादी थीं, जिनपर अंग्रेजी कवि वर्ड्सवर्थ का स्पष्ट प्रभाव परिलक्षित होता है। बख्शीजी की प्रसिद्धि का मुख्य आधार आलोचना और निबन्ध - लेखन है। साहित्य का यह महान् साधक 27 दिसम्बर, 1971 ई० में परलोकवासी हो गया।

**रचनाएँ :-**

प्रबन्ध पारिजात, पंचपात्र, पद्मवन, झलमला, नवरात्र, पंचरात्र, पंचपात्र, मेरी अपनी कथा आदि।